भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2185
29 जुलाई, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष की स्वदेशी दवाएं

2185. **श्री डी. एम. कथीर आनन्द:**

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विभिन्न प्रकार के कैंसर, यकृत और गुर्दे की बीमारियों के उपचार और इलाज के लिए आयुष की स्वदेशी दवाओं को मान्यता दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और अनुमोदित आयुष दवाओं की वर्तमान सूची क्या है;

(ग) क्या सरकार ने जीवनरक्षक दवाओं के लिए अनुमोदन प्रदान करने हेतु पर्याप्त उपाय किए हैं; और

(घ) यदि हां, तो गत पांच वर्षों में उक्त अनुमोदन के लिए पंजीकृत, स्वीकृत, अस्वीकृत और अनुमोदन के लिए लंबित आयुष दवाओं की विस्तृत सूची का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) और (ख): जी हां, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने कैंसर, यकृत और गुर्दे के रोगों सहित विभिन्न प्रकार के रोगों के उपचार के लिए आयुष की स्वदेशी औषधियों को मान्यता दी है।

केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने कैंसर के उपचार अभ्यासों के प्रलेखन के अलावा कैंसर रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार तथा प्रथम सीरोलॉजिकल रीलैप्स में उच्च स्तर के गंभीर एपीथिलियल डिंबग्रंथि कैंसर में नैदानिक अध्ययन आरंभ किए हैं। इसके अतिरिक्त, सीसीआरएएस ने कैंसर, यकृत और गुर्दे के रोगों के क्षेत्र में विभिन्न नैदानिक अध्ययन भी आरंभ किए हैं। ब्यौरा **संलग्नक-I** पर है।

आयुष मंत्रालय के अधीन अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नेफ्रोलॉजी, इंटिग्रेटिव कैंसर केयर और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकारों में विशेषज्ञता क्लीनिक चला रहा है और इन मामलों के प्रबंधन के लिए आयुर्वेद के सिंद्धातों पर आधारित शास्त्रीय आयुर्वेद संपाकों का प्रयोग कर रहा है।

आयुष मंत्रालय ने जनवरी, 2022 में आवश्यक आयुष औषधियों की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएएम) प्रकाशित की है। इसमें आवश्यक आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी औषधियों के साथ-साथ उनका संदर्भ ग्रंथ, मुख्य रोग संकेतक, खुराक, सावधानी/विपरीत संकेत शामिल हैं।

(ग) और (घ): आयुष चिकित्सा पद्धति में 'जीवनरक्षक औषधियों' की कोई अलग श्रेणी नहीं है।

*****

संलग्नक-I

परिषद द्वारा कैंसर, यकृत और गुर्दे के रोगों में किए गए अनुसंधान अध्ययनों का ब्यौरा-

- कैंसर रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए आयुष क्यूओएल2सी।
- ए फेज ।। ट्रायल टू स्टडी एफीकेसी, टोक्सिसिटी एंड इम्यूनोमोडूलेटरी इफेक्ट ऑफ कर्कटोल-एस इन हाई ग्रेड सीरियस एपिथीलियल ओवेरियन कैंसर एट फर्स्ट सेरोलोजिकल रिलेप्स: जारी।
- आयुर्वेद और एलोपैथी समुदाय के बीच कैंसर केएपी का क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
- कैंसर के लिए आयुर्वेद उपचार: व्यवस्थित समीक्षा, मेटा-विश्लेषण; और चिकित्साभ्यासियों, संस्थानों से आंकड़ों की पुन:प्राप्ति, प्रलेखन, विधिमान्यकरण और विश्लेषण: जारी।
- ग्रीवा और डिम्बग्रंथि वाले रोगियों की प्रकृति (शरीर की आयुर्वेदीय संरचना) का आकलन: जारी।
- कैंसररोधी क्रियाकलाप पर औषधीय पादपों की जांच।
- मूत्राश्मरी (यूरोलिथियासिस) की चिकित्सा में गोक्षुर चूर्ण एवं श्वेत पर्पटी की नैदानिक प्रभाविकता।
- मूत्राश्मरी (यूरोलिथियासिस) की चिकित्सा में श्वदमस्त्रादि कषाय तथा हजरुलयहूद भस्म का नैदानिक मूल्यांकन।
- मूत्राश्मरी (यूरोलिथियासिस) की चिकित्सा में वरुणादि क्वाथ एवं चंद्रप्रभा वटी की प्रभावकारिता का नैदानिक मूल्यांकन: जारी।
- मूत्राश्मरी (यूरोलिथियासिस) की चिकित्सा में वरुणादि क्वाथ चूर्ण एवं अपमार्ग क्षार का नैदानिक मूल्यांकन: जारी।
- नॉन एल्कोहॉलिक फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) की चिकित्सा में आरोग्यवर्धनी वटी और पिप्लायादस्व की नैदानिक प्रभाविकता और सुरक्षा-एन ओपेन लेबल प्रोस्पेकटिव क्लीनिकल ट्रायल: जारी।
- हल्के से मध्यम नॉन एल्कोहॉलिक फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) रोगियों में आयुष-जीएमएच का मूल्यांकन-एक डबल ब्लाइंड रेडमाइज्ड कंट्रोल क्लीनिकल स्टडी: जारी।
- एटीटी पर क्षय रोग के रोगियों में सहायक उपचार के रूप में पीटीके के हैप्टाप्रोटेक्टिव कार्यकलाप का मूल्यांकन- एक डबल ब्लाइंड रेडमाइज्ड कंट्रोल क्लीनिकल स्टडी: जारी।